RAN-2401001203040003

RAN-2401001203040003

Bachelor of Arts (NCF-NEP) (Sem.-III) Examination March - 2026

MDC-III: Hindi Upanyas ('Ganga Maiya')

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions	Seat No.:
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી. Fill up strictly the above details on your answer book	Student's Signature

प्र.1. निम्नलिखित संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (किन्हीं पाँच) **10**

1. 'गंगा मैया' उपन्यास में किन समस्याओं को दिखाया गया है?
2. 'गंगा मैया' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का नाम लिखिए।
3. मटरूसिंह को कितने वर्षों की सजा हुई और गंगा नदी से उनका किस प्रकार का लगाव था?
4. कुश्ती का मुकाबला किसके बीच हुआ और क्या परिणाम निकला?
5. 'गंगा मैया' उपन्यास कौन-सी विदेशी भाषाओं में अनूदित हैं?
6. 'गंगा मैया' उपन्यास की कथा कितने अध्यायों में विभक्त हैं?
7. गोपीचंद और मानिकचंद में क्या संबंध था तथा वे किस कला में निपुण थे?

प्र.2. भैरवप्रसाद गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए। **13**

अथवा

प्र.2. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'गंगा मैया' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए।

प्र.3. 'गंगा मैया' उपन्यास के नायक मटरूसिंह के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। **13**

अथवा

प्र.3. गोपीचंद और मानिकचंद का चरित्र - चित्रण कीजिए।

प्र.4. अ. टिप्पणी लिखिए। **07**

1) 'गंगा मैया' उपन्यास में वातावरण - योजना

अथवा

1) 'गंगा मैया' उपन्यास की भाषा - शैली

ब. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **07**

1. ''ताल-पोखर का नाम कभी फिर मुँह पर न लाना! जानती है, तू किस खानदान की बहू है! भले ही घर में सड़-गल जाना, लेकिन बहू, खानदान पर कलंक का टीका न लगाना! किसी को कहने का अगर कभी मौका मिल गया कि फलाँ की बहू ताल-पोखर में डूब मरी, तो मैं अपना सिर फोड़ लूँगा!''

अथवा

1. गंगा मैया का आँचल धानी रंग में रंगकर लहरा उठा था। देखकर किसानों की छाती फूल उठती। इतना ज़बरदस्त धान आया था, कि टाँगे से कटे। रब्बी न बोने का अफ़सोस जाता रहा। उससे कहीं ज़्यादा धान की पैदावार होगी। गंगा मैया की लीला अपरम्पार है। उसके आँचल में क्या-क्या भरा पड़ा है, इसका अन्दाज़ कौन लगा सकता है? जो जितनी सेवा इस धरती की करे, गंगा मैया उसे उतना ही दें! मेहनत कभी अकारथ हुई है?